Webinar by Economics Department

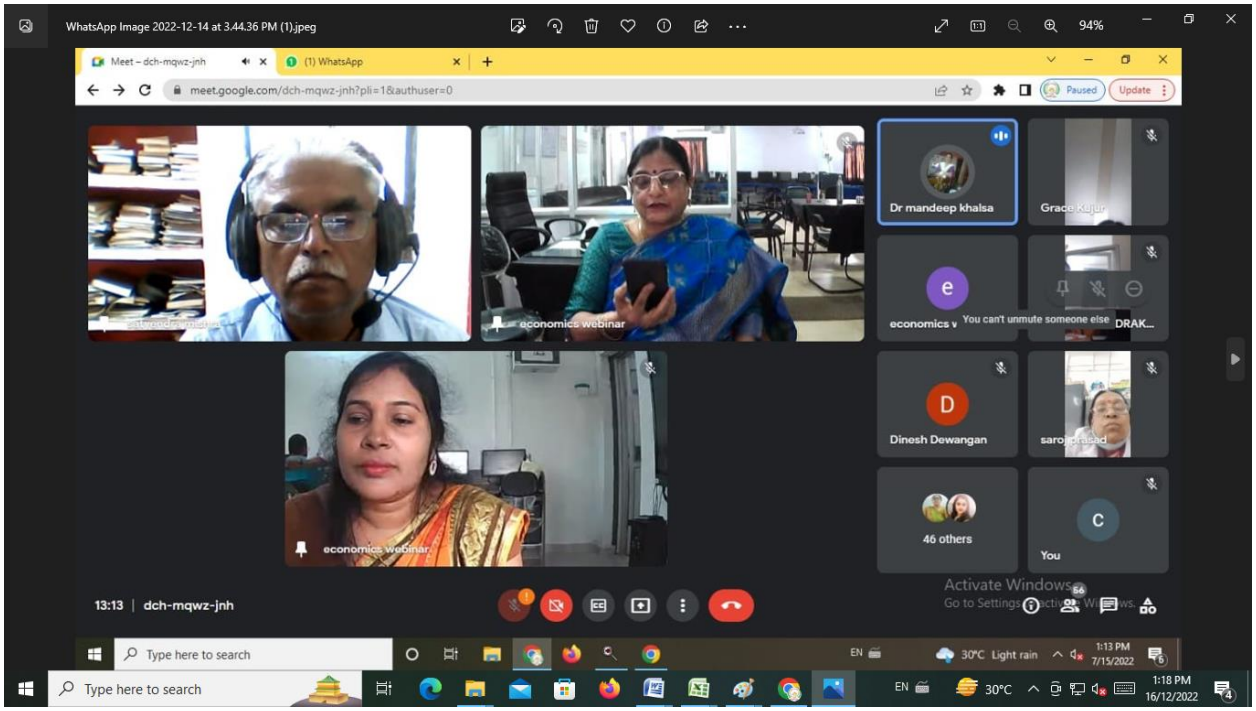

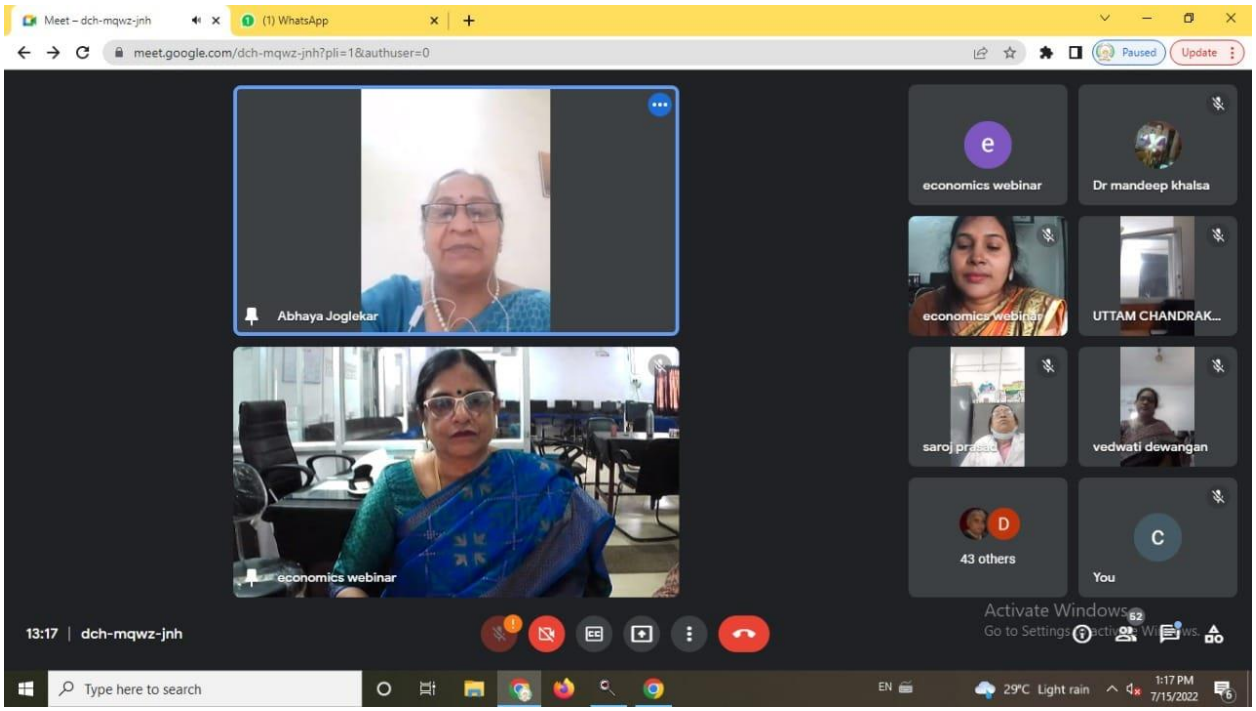

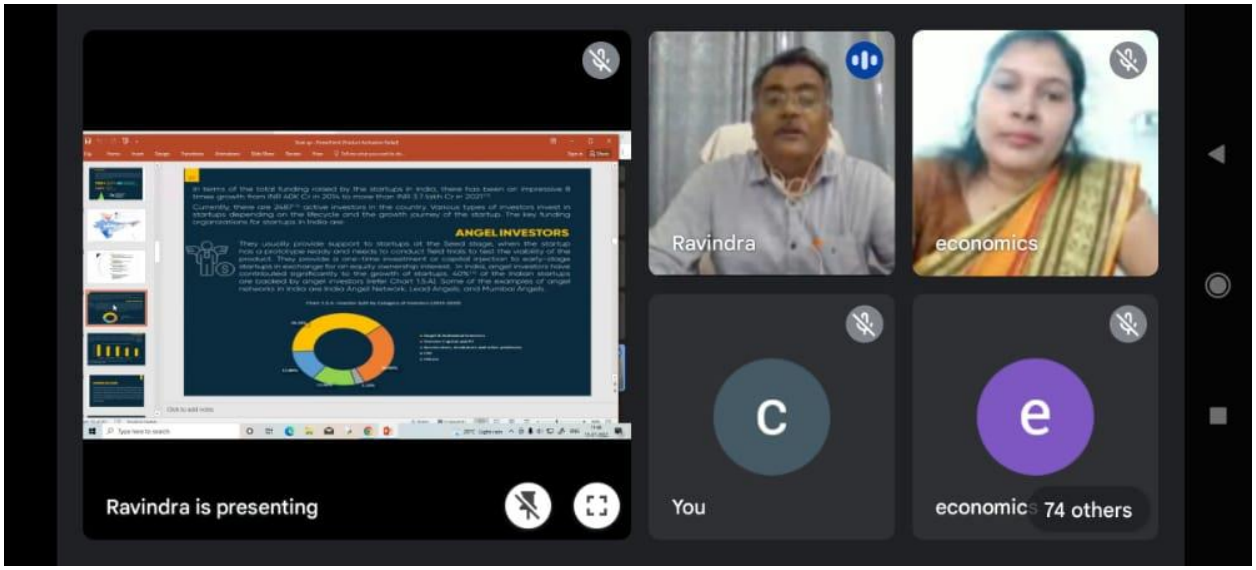
ANGEL INVESTORS
Ravindra
economics
Ravindra is presenting
You
economic
74 others

Meet – dch-mqwz-jnh
WhatsApp
meet.google.com/dch-mqwz-jnh?pli=1&authuser=0
Paused
Update
satyendra mishra
You
Dr mandeep khalsa
Dr. Sarla Dwivedi
59 others
People
Search for people
In call
chandraprakash de... (You)
Aakanksha Markam
Aarti Markam
Aashish 1 ka
Alpana Dubey
anita rajpuria
Aradhana Shukla
12:35 | dch-mqwz-jnh
Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.
Type here to search
EN
29°C Cloudy
12:35 PM
7/15/2022

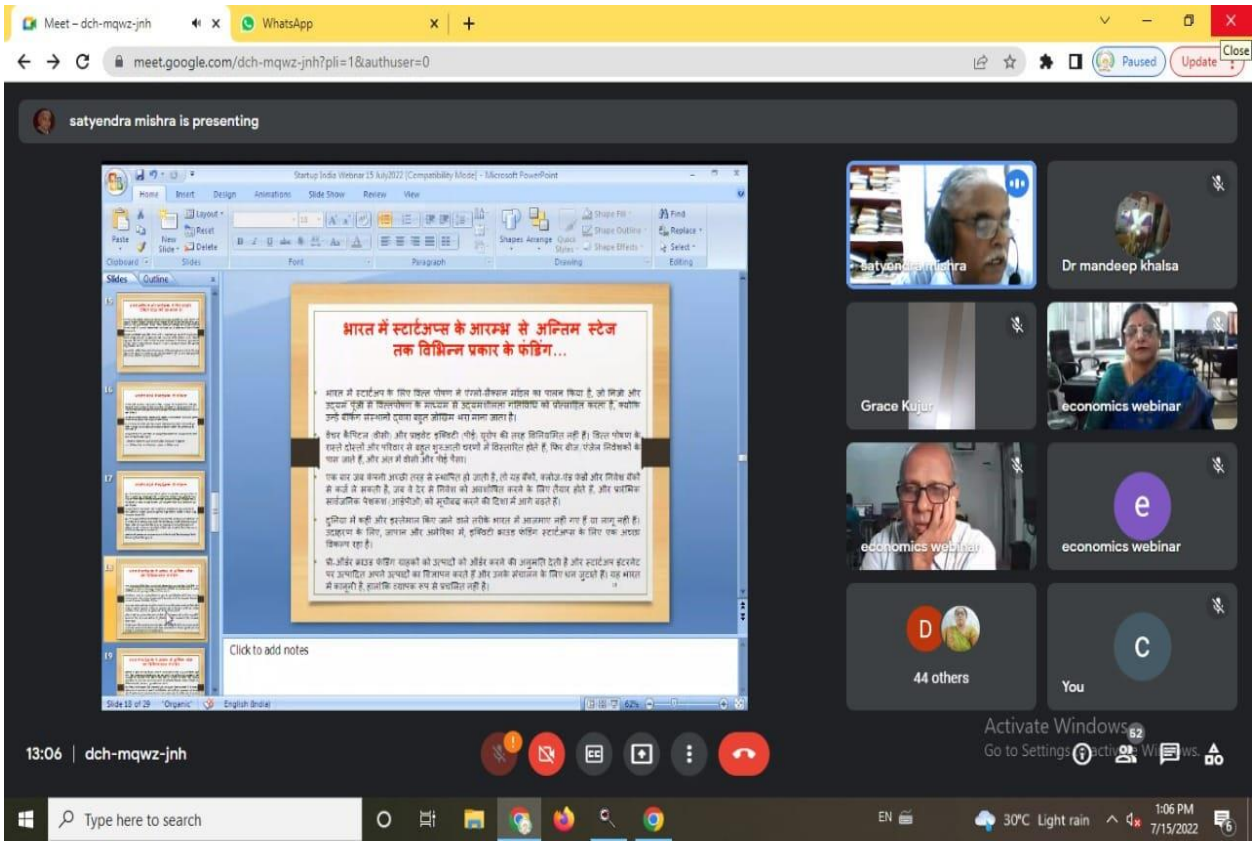
Meet – dch-mqwz-jnh
WhatsApp
meet.google.com/dch-mqwz-jnh?pli=1&authuser=0
Paused
Update
Close
satyendra mishra is presenting
भारत में स्टार्टअप्स के आरम्भ से अन्तिम स्टेज तक विभिन्न प्रकार के फंडिंग...
Click to add notes
satyendra mishra
Dr mandeep khalsa
Grace Kujur
economics webinar
economics webinar
economics webinar
44 others
You
13:06 | dch-mqwz-jnh
Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.
Type here to search
EN
30°C Light rain
1:06 PM
7/15/2022

बीसीएस कॉलेज में कार्यक्रम • भारत में उद्यमिता विकास के लिए स्टार्टप इंडिया योजना का हुआ मूल्यांकन

स्टार्टअप विषय पर कराया ऑनलाइन सेमीनार

भास्कर न्यूज | धमतरी

बाबू छोटेलाल पीजी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग ने शुक्रवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार किया। इसका विषय 'भारत में उद्यमिता विकास के ल ए स्टार्टअप इंडिया योजना की प्रभावशीलता का समीक्षात्मक, विश्लेषण एवं मूल्यांकन था। इस विषय पर देशभर से जुड़े विषय विशेषज्ञों ने स्टार्टअप की जरूरत के संबंध में अपने विचार रखे। बीते एक साल में इस क्षेत्र में हुए कार्मों की समीक्षा करते हुए सुझाव भी दिए।

प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे ने वेबिनार शुरुआत करते हुए देश के विभिन्न भागों से वेबिनार में शामिल विषय विशेषज्ञों एवं विद्वानों का स्वागत किया। युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के लिए वेबिनार को सार्थक बताया। अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मनदीप खालसा ने वेबिनार के विषय स्टार्टअप इंडिया एवं उद्यमशीलता के संबंध में संक्षिप्त परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन किया डॉ. तामेश्वरी साहू सहा. प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने करते हुए विशेषज्ञ वक्ताओं के अकादमिक जीवन का परिचय दिया।

धमतरी। ऑनलाइन सेमीनार में पीजी कॉलेज की प्रोफेसर शामिल हुई।

असफलता के लिए चेताया

प्रोफेसर सीबी सिंग विभागाध्यक्ष, बैंकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त अध्ययनशाला बुंदेलखण्ड विवि झांसी उत्तर प्रदेश ने महाविद्यालय के वेबिनार में बताया कि कि 2016-17 में 726 स्टार्टअप थे। 2021-22 में 65861 स्टार्टअप को शुरू किया गया। स्टार्टअप योजना के लाभों जैसे करों में छूट, वित्तीय पोषण, स्वप्रमाणन पर्यावरण एवं श्रम कानून के परिपालन की दशा के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की। यूनिकॉर्न एवं डेकाकॉर्न जैसे स्टार्टअप एवं अवस्थाओं की चर्चा की। स्टार्टअप के असफल होने का एक बड़ा कारण उत्पादों के लिए अच्छे बाजार और 34 प्रतिशत कारण मार्केटिंग असफलता है।

छोटे से स्टार्टअप से आगे बढ़ा जा सकता है

डॉ. एसके मिश्रा एसोसिएट प्रोफेसर विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं दर्शनशास्त्र अध्ययनशाला विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन ने इतिहास में भारत की व्यवसायिक स्थिति की तुलना करते जानकारी दी। डॉ. अभ्या जोगलेकर प्रोफेसर होमसाइंस स्वशासी स्नातकोत्तर कॉलेज रायपुर ने स्टार्टअप मार्केटिंग को भिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। कॉलेज में इक्यूलेशन सेंटर से छात्राओं को सहायता एवं परामर्श और छोटे से स्टार्टअप से ओयो जैसी बड़ी कम्पनियां बनाना बताया।